बेवजह मुझ पे जो उंगली कोई उठ जाती है

बेवजह मुझ पे जो उंगली,
कोई उठ जाती है,
मुझे तब श्याम,
तेरी याद बहुत आती है।bd।

तर्ज – तेरी उम्मीद तेरा।

है सब जिधर हवा का हो झोखा,
आज अपनों से मिल रहा धोखा,
आज अपनों से मिल रहा धोखा,
झूठे बुनियाद की जुबा,
नहीं शरमाती है,
मुझे तब श्याम,
तेरी याद बहुत आती है।bd।

ऐसे हालातों में जीना मुश्किल,
सिसक सिसक के रोए मेरा दिल,
सिसक सिसक के रोए मेरा दिल,
होके बेबस ये आंख,
अश्को से नहाती है
मुझे तब श्याम,
तेरी याद बहुत आती है।bd।

अपनी बातों पे नहीं उतरे खरे,
ऐसे रिश्तों से मन ये मेरा डरे,
ऐसे रिश्तों से मन ये मेरा डरे,
ठोकरे 'वैभव' ये सही,
सबक सिखाती है,
मुझे तब श्याम,
तेरी याद बहुत आती है।bd।

बेवजह मुझ पे जो उंगली,
कोई उठ जाती है,
मुझे तब श्याम,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer – Saurabh Agarwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com